एस.आर.टी.व्ही. के वर्त्तमान में २५ सदस्य हैं जिनमें १५ विभिन्न देशों की सिस्टर्स एवं पुरोहितगण चाहे वे ईसाई समाज के किन्ही भी समूह से हो सम्मिलित हैं । इनमें से कई विकासशील देशों में कार्यरत हैं । उनके विभिन्न सांस्कृतिक समूहों के साथ अनुभव एवं सम्पर्क बहुत मूल्यवान हैं । समूह विश्व की तमाम धार्मिक बहनों को इस कार्य में सहयोग करने का आव्हान करती है तथा सहयोग की कामना करती है ।

एस.आर.टी.व्ही. की स्थापना से इस संस्था ने कई कार्य किए हैं व कई योजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की है ।

अब जबकि एस.आर.टी.व्ही. ने महिला शोषण के संदर्भ में बहुत से कार्य किए हैं और आगे भी बहुत सी योजनाएं विचाराधीन है जो नीदरलैंड तथा विश्व में करना है तब इस संस्था के सभी सदस्य राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सभी का ध्यान महिला उत्पीडन विषय की ओर लाना चाहती है ।

यह संस्थान रोग का निदान और समस्या का समाधान जैसे उददेश्य को लेकर नीदरलैण्ड और अन्य देशों में महिला उत्पीडन संबंधी कुछ व्यावहारिक कार्य करना चाहती है । संस्था चाहती है कि सभी देश इस समस्या पर प्राथमिक स्तर पर कार्य करें । इस हेतु संस्था अन्य देशों की महिला संगठनों तथा अन्य समूहों के साथ विश्वस्तर पर कार्य कर रही है । संस्था उनके पुनर्वास की व्यवस्था के साथ ही उन्हें पुनः सुरक्षित अपने गृहनगर में पहुँचाना चाहती है ।

Dutch Foundation of the Religious against Trafficking in Women (SRTV)

Emmaplein 19 - 21
NL 5211 VZ Den Bosch
The Nederlands
Tel: (+31) 73 - 692 13 51 / 692 13 52
Fax : (+31) 73 - 692 13 50
E-mail : srtv@srtv.info
http://www.srtv.info
Bank: 420557 t.n.v. SRTV
KvK: 34156001

Hindi

महिला शोषण के खिलाफ धार्मिक संस्थाओं का डच फाउन्डेशन

(Stichting Religieuzen Tegen Vrouwenhandel - SRTV)

‘यह आवश्यक नहीं है कि हमारे सपने एक हो लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम साथ रहकर कार्य करें ’

ईश परमात्मा ने कहा :
मैनें नारी को कष्ट सहते देखा है
और उसके शोषण के गुलाम वाहकों के विरूध उठने वाली आवाज़ को सुना है ।
हॉ, मैं पूर्ण रूप से उनकी पीड़ा से वाकिफ हूँ, मैनें सच में दलालों द्वारा उनका उत्पीढन होते देखा है और उनका रूदन मुझ तक पहुँचा है । यह मेरा आव्हान है कि जाओ और इन नारियों की स्वतंत्रता के लिये कार्य करो ।
{एक्सोडस ३ पर आधारित}

येसु ने कहा : ‘डरो मत, मैं तुम्हारे साथ हूँ ’।

महिला शोषण के खिलाफ धार्मिक संस्थाओं का डच आन्दोलन
(Stichting Religieuzen Tegen Vrouwenhandel - SRTV)

सिस्टर मिखैल कीसन के मस्तिष्क में एक
आवाज़ गूंजी : आवाज़ जिसने मुझे पुकारा
आप कौन है ?
सिस्टर, आपकी बहन कहॉ है ?
उसे क्या हुआ है ? वह जिस मतलब के लिये है क्या उसी में उसका विकास संभव है ।
क्या तुम अपनी बहन की रक्षक नहीं हो ?
१९९१ में, इस बुलावे के परिणाम स्वरूप एस.आर.टी.व्ही. संस्था का निर्माण हुआ । प्रारंभिक रूप में राष्ट्रीय स्तर पर एक धार्मिक संस्था की स्थापना की गयी जिसे एस.आर.टी.व्ही. समूह कहा जाता है ।

इस संस्था {एस.आर.टी.व्ही.} - के स्वरूप में महिला देह व्यापार व देह शोषण के विरूध आन्दोलन में युद्ध स्तर पर इनकी सहायता करना है । साथ ही इस प्रकार की शोषित महिलाओं को सम्माननीय भविष्य दिलवाने में इनकी सहायता करना भी इस समूह का उददेश्य है ।

हमारे द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले संसाधन :-

! सूचना पत्रिका एवं ऑडियो-विडियो द्वारा लड़कियों तथा महिलाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी देना ।

! ऐसे सहायक - निदान संबंधी-प्रारूप बनाना जिससे महिला पुनः अपने गृह नगर लौट सके ।

! प्रचार माध्यमों द्वारा जनजाग्रति फेलाना ।

! अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क बनाना ।

! नीदरलैन्ड में उत्पीडन की शिकार महिलाओं

को व्यवहारिक सहायता देना ।

! जहॉ सम्भव हो राजनीतिक सहायता प्रदान करना एवं जुटाना ।

एस.आर.टी.व्ही. महिला जाग्रति हेतु ४५ विभिन्न भाषाओं में सूचना पत्र तैयार करवा रही है जिन्हें ६० देशों में बॉटा जाएगा । एस.आर.टी.व्ही. का मानना है कि यह सूचना पत्र महिलाओं को इस प्रकार के शोषण के प्रति जागरूक बनाएगी जैसा कि रोग से बेहतर निदान होता है ।

एस.आर.टी.व्ही. नीदरलैंड की शोषित महिलाओं को पुनः अपने देश लौटने में सहयोग करना चाहती है । हॉलेण्ड, फिलिपीन्स, घाना, भारत, चेक रिपब्लिक, ब्राज़ील, केन्या, थाईलैण्ड तथा डोमिनिकन रिपब्लिक में इन महिलाओं का पुनर्वास हो ।

एस.आर.टी.व्ही. के सदस्यों ने नीदरलैंड की जनता को भी इस संदर्भ में सूचित किया है । वे सभाओं में तथा अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क के स्तर पर नई कार्यशालाओं की योजना राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाएँ तथा जनजाग्रति फैलाएं । राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग नीतियॉ बनायें ।

एस.आर.टी.व्ही. एक अव्यवसायिक संस्था है । इस संस्था की कार्यपूर्ती हेतु धन विभिन्न संस्थाओं, भेंट तथा दान देनेवाली संस्थाओं से प्राप्त होता है ।

संस्था द्वारा प्रकाशित पत्रिका - Trans Actions - का अनुवाद अंग्रेजी में किया गया तथा वर्ष में एक बार निशुल्क बॉटी जाती है ।
एस.आर.टी.व्ही. महिलाओं से महिलाओं के शोषण की बात करना चाहती है युवाओं के, सांस्कृतिक संस्थाओं के, विघालयों तथा चर्च समूहों के माध्यम से सहायता करना चाहती है ।

एस.आर.टी.व्ही. प्रतिवर्ष राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कई कॉग्रेस तथा मिलन समारोहों में भाग लेती है ।